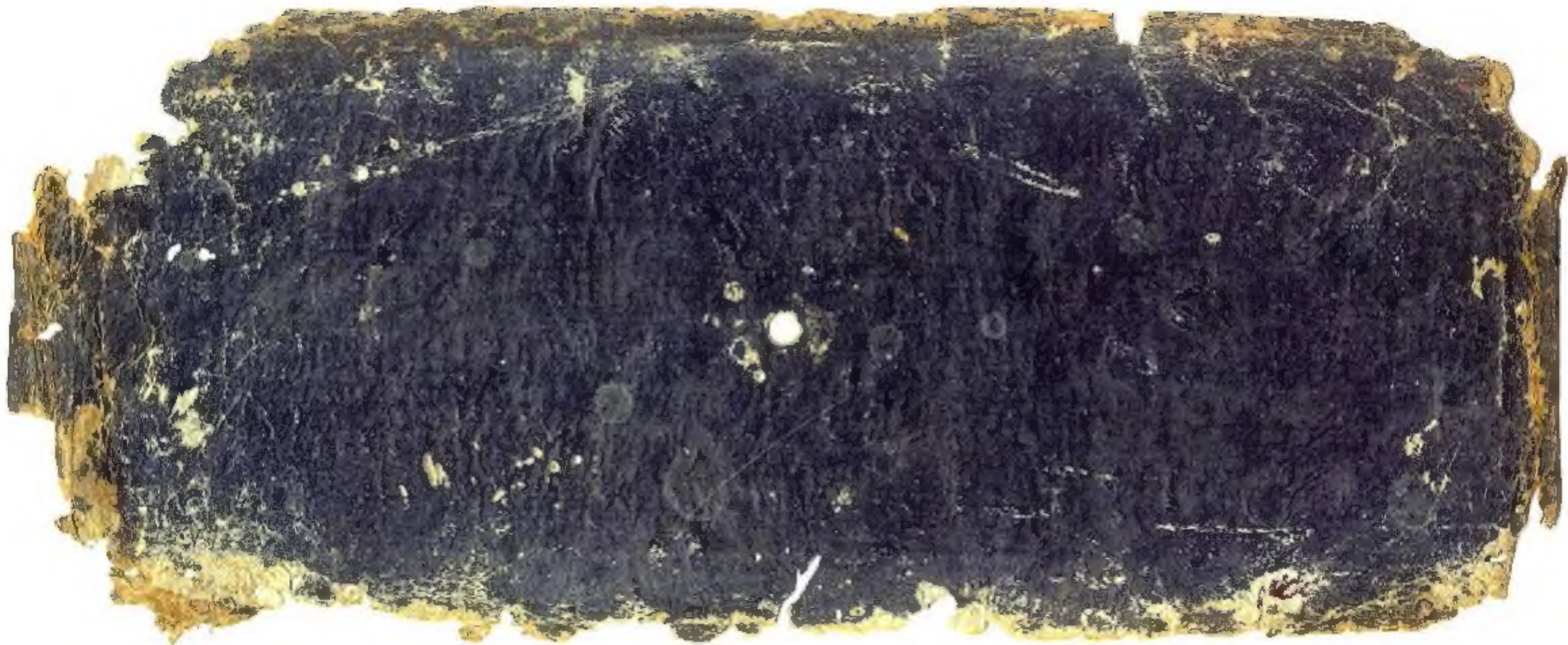




ASHA ARCHIVES

2620

ASHA ARCHIVES



कमलसुन्दरस्य यदा दत्ताष्टकं पठति तदा नानागुह्यसिद्धिर्भवति
 तन्मन्त्रदवावशात्पृच्छन्मन्त्रगुह्यं तदा गन्तव्यं तन्मन्त्रसंग्रहं कृत्वा काष्ठद्वये
 यद्वत्तन्मन्त्रसंग्रहं तन्मन्त्रवकासं कृत्वा तन्मन्त्रदवावशात्पृच्छन्मन्त्रगुह्यं
 तन्मन्त्रदवावशात्पृच्छन्मन्त्रगुह्यं तन्मन्त्रदवावशात्पृच्छन्मन्त्रगुह्यं
 तन्मन्त्रदवावशात्पृच्छन्मन्त्रगुह्यं तन्मन्त्रदवावशात्पृच्छन्मन्त्रगुह्यं
 तन्मन्त्रदवावशात्पृच्छन्मन्त्रगुह्यं तन्मन्त्रदवावशात्पृच्छन्मन्त्रगुह्यं

चशाक्यं तन्मन्त्रवक्त्रं यदा वाक्त्रं दत्तं तदा विदितं तदा विदितं तदा विदितं
 या विदितं तदा विदितं तदा विदितं तदा विदितं तदा विदितं तदा विदितं
 या तन्मन्त्रदवावशात्किमिति तन्मन्त्रगुह्यं तन्मन्त्रदवावशात्किमिति
 तन्मन्त्रदवावशात्किमिति तन्मन्त्रगुह्यं तन्मन्त्रदवावशात्किमिति
 तन्मन्त्रदवावशात्किमिति तन्मन्त्रगुह्यं तन्मन्त्रदवावशात्किमिति
 तन्मन्त्रदवावशात्किमिति तन्मन्त्रगुह्यं तन्मन्त्रदवावशात्किमिति

इत्यादिनाश्च स्वयं व्याविता तव द्युश्च वदन्त वानुकायका धीमा वाचतव द्युश्च
 यियमनजा यमना द्वादशनाश्च वदन्त यत द्यामहा दानयत द्या अक्षर
 दिव्या मवृष्ट वनवानुकायका धीमा वाचतव द्युश्च माग मुक्तिव
 कवे द्वादशनाश्च वदन्त यत द्यामहा दानयत द्या अक्षर
 मयतिष्ठित गृह पुत्रदा वक्र द्वादशनाश्च वदन्त यत द्यामहा दानयत द्या अक्षर
 वक्र द्वादशनाश्च वदन्त यत द्यामहा दानयत द्या अक्षर

३

मधुना संख्या द्युश्च वदन्त यत द्यामहा दानयत द्या अक्षर
 य्या यानामनवा गता दत्त मा क्व वृद्धा ला कडत्या दिविद्या चमरा सं यत्र मृगहाला
 कविदन्त वदन्त यत द्यामहा दानयत द्या अक्षर
 गवान् तस्या त्रिका मद्या कल युव
 द्वादशनाश्च वदन्त यत द्यामहा दानयत द्या अक्षर
 संयका मत्या अदमयुत दिव्य कल युवा धानगी तद्याना विद्या यवा अस्या धावि

यत्तद्विद्यति। अद्भुतं मां वदन् वाना मे वा वतीत वा गतस्या इह इह इह मया क्व वदेत् इह
इह वा वृद्धं कृत्वा न मस्तुत्वा आवर्तय शमद वा वृत्तिवत्त वाना तित्तस्य दवताः
आवर्तमनस्तु क्वयु मदिता इयति शो मनस्य जता स्वय मा गत्य वाना
वृद्धं यात्तयि यति। यीत्या तवा गत हासना यीत्या वृद्धं यकृद्वा यीत्या
धमयि कृद्वा यीत्या संय यकृद्वा यीत्या धमना न कस्या सयना जेत मवत्त वृद्धं
याया जेत मात्त गवत्त वृद्धं धवसा गवति यीत्या यात्त वाना गता यादत्त संयुक्तं

वृद्धा मा जेत मात्त गवत्त वृद्धा यात्त वाना गता यादत्त संयुक्तं वृद्धा या जेत मवत्त
वत्त वा गता यादत्त संयुक्तं वृद्धा या न म इह सर्वत वा गतस्या इती ताना गतयुत्त
त्यन्त्युत्त शान म इह न क वस्य तवा गतस्या न मा वृद्धं धवसा गव गता
वस्य तवा गतस्या अगद्य गत्याः त्या न दय गत्या यस्या विद्यया दि
त्य इहा कृत्वा नस्या दा न या म मित या विद्युत्त्या स गज्जहा विद्यति न इह कृत्वा
महा वृत्ति विन स्या विद्युत्तु यकृद्वा वेव क कृत्वा ववत्त वाना कन क म वृत्ति दा

मांकाय यद्यपु नो न विना कसिं हस्यवी मये मेवी अस्थति कृत्वा स गृह्युत
 वागताळममह्ययदाइ सर्वसत्तदिमाविद्या दानिदुवा विदुहववापना पुव
 मायकल्यइळमावमधा वानाम
 तवागततायितस्यावमह्ययदाइ
 प्रोधनश्चनस्यदमुकमान अक्षयकाय विविहात्यादनिमनसि सावनि काय
 शका हाववका टो मृतते अतना ययत्र सववतवमालका नालवला दिधन धान्य

वृद्धिं कवि विविहात्याति संभाहति मुकस्य काप्रकाशां गा वा दाहति वृहस्यस
 मतमयदवलि वृहश्चुहसत्या प्रमसत्या सयसत्या सर्ववृहवा विमल सत्या वा
 विद्याया वसत्या सर्वप्रावकयइ
 सत्या वृहसत्या ला कया वसत्या
 लि मुक्ति वडवेदूयं प्रावति लाय वाल कत प्रय वडत मवक टाय द्वा बागुळ
 हनील ककतन सवदवा समृद्धता ववम विविदि सदस्याना मा वि यत्ना को

दा॥ अ॥ वि॥ मि॥ वि॥ दा॥ अ॥ वि॥ पु॥ ह॥ व॥ दा॥ अ॥ प्र॥ अ॥ क॥ ल॥ दा॥ अ॥ प्र॥ न॥
अ॥ न॥ दा॥ अ॥ व॥ न॥ न॥ दा॥ अ॥ प्र॥ अ॥ मा॥ या॥ क॥ र॥ ज॥ ह॥ दा॥ अ॥ प्र॥ अ॥ क॥ व॥
लि॥ दा॥ अ॥ प्र॥ आ॥ व॥ न॥ ति॥ दा॥ अ॥ प्र॥ वि॥ वि॥ न॥ दा॥ अ॥ प्र॥ व॥ व॥ म॥ दा॥
दा॥ अ॥ प्र॥ व॥ व॥ म॥ दा॥ अ॥ प्र॥ वि॥ वि॥ म॥ दा॥ अ॥ प्र॥ त॥ न॥ दा॥ अ॥ प्र॥
व॥ व॥ म॥ दा॥ अ॥ प्र॥ त॥ न॥ दा॥ अ॥ प्र॥ त॥ न॥ म॥ त॥ ग॥ व॥ ति॥ व॥ न॥ दा॥ अ॥ प्र॥
मी॥ म॥ स॥ व॥ स॥ दा॥ अ॥ प्र॥ त॥ ग॥ व॥ ति॥ अ॥ न॥ व॥ व॥ दा॥ अ॥ प्र॥ त॥ ग॥ व॥ न॥ दा॥

अ॥ न॥ ता॥ स॥ व॥ य॥ न॥ म॥ न॥ दा॥ न॥ दा॥ व॥ न॥ ए॥ वि॥ न॥ न॥ दा॥ अ॥ प्र॥ व॥ ज॥ र॥ दा॥ अ॥
प्र॥ व॥ स॥ य॥ म॥ दा॥ अ॥ प्र॥ म॥ दा॥ व॥ स॥ य॥ म॥ दा॥ अ॥ प्र॥ आ॥ व॥ न॥ ति॥ दा॥ अ॥ प्र॥
व॥ न॥ ति॥ दा॥ अ॥ प्र॥ ट॥ क॥ र॥ दा॥ अ॥ प्र॥ ट॥ क॥ र॥ दा॥ अ॥ प्र॥ ट॥ क॥ र॥ दा॥
दा॥ अ॥ प्र॥ ट॥ क॥ र॥ दा॥ अ॥ प्र॥ ट॥ क॥ र॥ दा॥ अ॥ प्र॥ ट॥ क॥ र॥ दा॥
अ॥ प्र॥ व॥ व॥ म॥ ति॥ दा॥ अ॥ प्र॥ ति॥ या॥ न॥ ति॥ दा॥ अ॥ प्र॥ व॥ क॥ व॥ न॥ ति॥ दा॥
न॥ दा॥ ग॥ न॥ दा॥ म॥ न॥ दा॥ अ॥ प्र॥ व॥ न॥ दा॥ ग॥ न॥ स॥ य॥ म॥ न॥ स॥ व॥ दा॥ अ॥

नवातामपुद्गयातनगवदावदनयाचधुनतगवदकनदवावयाउदुदता
 मधनगवदित्तवचवातातामवावरायककनावावितावावितायमवाहाइनय
 दितामनसाययावधितितायवच
 ययाभातायवसुकरमभरा
 कासकाद्यागावाहचलायवचनयवदातामगुदयनितगवदतनवासतन
 नयमकिताकातनगवतयादासिमाहतिवाहवातगवतनयतयवतयवत

नगवताडदिकायगदकात्रयुकायवसगुदयातवचनपवतिर्याद
 कोयायवयुग्यमववनवाचवतजतमगुदसवायवावरायकासकाद्यागा
 मालययावयुग्यालिवदहावद
 यातिसामनरुजतोयविकरु
 हदसावदुनगवातवावनवातामवावरायकासितातासापतदवयसाव
 निजवमवदातामगुदयतिवदवत्यसादतममवागतायमधुगुदगोव

वपतादवकमानविबीकाकआवतमुत्पाददतित्ता। अवावन्तुगवानादवपद
मानदमानमुत्पाददतित्ता। अवावन्तुगवानादवपद
सवधेनधानमदाकासकाद्याग। गणाप्रवावन्तुगवानादवपद
गवताववनेयत्तिष्टत्यनकोस। यामदानगनाप्रवावन्तुगवानादवपद
यवतनायसकाद्यावेसकयात्यनकोस। यामदानगनाप्रवावन्तुगवानादवपद
नवधेनधानमदाकासकाद्याग। गणाप्रवावन्तुगवानादवपद

यमादरुयातिसामनस्यजन्तादनतगवांसनायतुजातिउपरुवजात्ययाम
तद्वाविस्मिनइयातिसामनस्यजन्तादनतगवांसनायतुजातिउपरुवजात्ययाम
तदवावशाकातगवन्तुवइक। यत्तुदात्यनववदनामगुदय
तिमदावनमदासागामदाका। मकाद्यागानवधनधानादिवल्या
मवपुनतसमृद्धाजनतागवानादाद्याद्वानतवमवदागुदयानइय
मदादकल्याताद्यावावित्त्यातनववधनधानादिवल्या

नावाप्तिवावितायववासाअनुवादितायववासावसवणसंयकाप्रयनवन विद्यातितायवववननदितायवववननमतायलाकावकयायमदमाजनकायय वादादितायववासावववासावमन मवावनामवावगतायव वननविद्यातितायवववननमतायलाकावकयायमदमाजनकायय दयकवाकसमावकयवगवाकणाकायायवववननमतायलाकावकयायमदमाजनकायय	व्यामाकाययगृहववननदयव कगतलविद्यातितायवववननमतायलाकावकयायमदमाजनकायय
---	--

विद्यामवायाकविद्यातितायवववननमतायलाकावकयायमदमाजनकायय ववादितायवववननदितायवववननमतायलाकावकयायमदमाजनकायय वादादितायवववासावववासावमन मवावनामवावगतायव वननविद्यातितायवववननमतायलाकावकयायमदमाजनकायय दयकवाकसमावकयवगवाकणाकायायवववननमतायलाकावकयायमदमाजनकायय	व्यामाकाययगृहववननदयव कगतलविद्यातितायवववननमतायलाकावकयायमदमाजनकायय
---	--

22

[illegible]

विष्णुमलयनिवासां तदन्तर्गतां तद्भवत्वा नद्यायाश्चाद्यमातापितृ
वन्दनमस्तु तस्यैव सत्त्वा श्रीनाम नृत्तं वैकुण्ठनालयाप्युत्था इत्यादि
नद्याविवाजयवमस्तु यवमस्तु तद्गानकश्रीश्रीजयमस्तु म
स्तु यवमस्तु शक्रलसाविजयवा इत्यादि नयति श्रीकात्रियुलीम २१
स्तु नगयश्रीगाङ्गा नगयश्रीश्रीश्रीजयमस्तु यवत्वा किमस्तु नक्त
लसात्तकयवमस्तु गृहा विवाहितदानयति साशकालजकासदेन स्यताया

विष्णुमलयनिवासां तदन्तर्गतां तद्भवत्वा नद्यायाश्चाद्यमातापितृ
वन्दनमस्तु तस्यैव सत्त्वा श्रीनाम नृत्तं वैकुण्ठनालयाप्युत्था इत्यादि
नद्याविवाजयवमस्तु यवमस्तु तद्गानकश्रीश्रीजयमस्तु म
स्तु यवमस्तु शक्रलसाविजयवा इत्यादि नयति श्रीकात्रियुलीम २१
स्तु नगयश्रीगाङ्गा नगयश्रीश्रीश्रीजयमस्तु यवत्वा किमस्तु नक्त
लसात्तकयवमस्तु गृहा विवाहितदानयति साशकालजकासदेन स्यताया



